Maclver (मैकाइवर) का कथन है, "समूह से हमारा तात्पर्य व्यक्तियों के किसी भी ऐसे संग्रह से है जो सामाजिक सम्बन्ध के द्वारा एक-दूसरे के समीप रहते हैं।" इस कथन से स्पष्ट होता है कि जब तक कुछ व्यक्ति पारस्परिक जागरूकता और सहयोग द्वारा सामाजिक सम्बन्धों की स्थापना नहीं करते, उनके द्वारा एक सामाजिक समूह का निर्माण नहीं हो सकता।

Ogburn and Nimkoff (ऑगबर्न तथा निमकॉफ) के अनुसार, "जब कभी भी दो या दो से अधिक व्यक्ति समीप आकर एक दूसरे को प्रभावित करते हैं तो वे एक सामाजिक समूह का निर्माण करते हैं।" इस परिभाषा के द्वारा ऑगबर्न ने स्पष्ट किया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा एक-दूसरे से सम्बन्ध स्थापित करने के अतिरिक्त उनका शारीरिक रूप से कुछ समीप होना भी समूह निर्माण के लिए आवश्यक है।

Williams (विलियम्स) ने पारस्परिक क्रियाओं के महत्व पर बल देते हुए सामाजिक समूह को परिभाषित किया है। आपके शब्दों में, "सामाजिक समूह ऐसे व्यक्तियों का एकीकरण है जो एक-दूसरे के साथ क्रिया करते हैं और इस अन्तर्क्रिया को एक इकाई के रूप में ही अन्य सदस्यों द्वारा पहचाने जाते हैं।"

Created By Sign Doc

इस परिभाषा में अन्तर्क्रिया को समूह के आवश्यक तत्व के रूप में स्वीकार किया गया है।

Albion Small (स्माल) के अनुसार "समूह का अर्थ कम या अधिक ऐसे व्यक्तियों से है जिनके बीच इस प्रकार के सम्बन्ध विद्यमान हों कि उन्हें एक सम्बद्ध इकाई के रूप में देखा जाने लगे।" इसका तात्पर्य है कि एक सामाजिक समूह का निर्माण करने वाले व्यक्तियों के बीच इस प्रकार की अन्तर्क्रियाएँ होना आवश्यक है जिनसे पारस्परिक सहयोग को प्रोत्साहन मिल सके।

अनेक दूसरे समाजशास्त्रीयों ने भी सामाजिक समूह को अपने-अपने ढंग से परिभाषित किया है लेकिन इन सभी परिभाषाओं के आधार पर समूह की सामान्य प्रकृति को स्पष्ट करते हुए कहा जा सकता है जब कुछ व्यक्ति जागरूक अवस्था में एक-दूसरे के सम्पर्क में आकर सम्बन्धों की स्थापना करते हैं तो व्यक्तियों के इसी स्थायी अथवा अस्थायी संगठन को हम एक सामाजिक समूह कहते हैं।

Created By Sign Doc